सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 272 | जौनपुर, शनिवार, 29 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अधिशासी अभियंता ध्रुव सहित तीन पर गिरी गाज

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या के नवनिर्मित रामपथ पर प्री मानसून बारिश के दौरान हुए गड्ढों के कारण शासन प्रशासन को शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा है। इसे देखते लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ध्रुव अग्रवाल सहित तीन लोगों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित होने वालों में ध्रुव अग्रवाल के अलावा, सहायक अभियंता अनुज देशवाल व कनिष्ठ अभियंता प्रभात पांडेय हैं। बारिश में रामपथ पर पड़े गड्ढों के कारण निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, मामले की पड़ताल में लापरवाही सामने आई है। अमर उजाला की पड़ताल में सड़कों का धंसना काम में जल्दबाजी और लचर इंजीनियरिंग का नतीजा है। प्री मानसून की बारिश में कुछ जगहों पर रामपथ के धंसने की वजह सामने आ गई है। इस मार्ग के बनने के दौरान कुछ हिस्सों में बहुत तेजी से काम किया गया। ऐसे में गड्ढों की खोदाई के बाद मिट्टी की परतों के दबने की प्राकृतिक प्रक्रिया के लिए काफी कम समय मिला। इसलिए अब जब दो चरणों में भारी बारिश हुई तो यही प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाने से सड़क में गड्ढे हो गए। फिलहाल जल निगम ने इन सभी गड्ढों को भरवा दिया है। लोक निर्माण विभाग के समन्वय से मार्ग पर बने सीवर चौंबरों की निगरानी की जा रही है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन करेगी आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई गिरफ्तारी के खिलाफ पार्टी 29 जून को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करेगी। आप की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पार्टी मुख्यालय मेंवरिष्ठ नेताओं की बैठक में निर्णय लिया गया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ देशभर में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया जाएगा। आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा, देशभर में आप कार्यकर्ता जांच एजेंसियों के दुरुपयोग और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा के खिलाफ शनिवार को धरना देंगे। पाठक ने आरोप लगाया कि जब भाजपा को लगा कि केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल जाएगी, तो उन्होंने इसे रोकने के लिए सीबीआई को आगे कर दिया, भाजपा उन्हें (केजरीवाल) किसी भी कीमत पर जेल में रखना चाहती है ताकि वह चुनाव से दूर रहें और आप खत्म हो जाए। आप को पूरा विश्वास है कि दिल्ली के सभी लोग केजरीवाल के साथ खड़े हैं और इस अन्याय के खिलाफ पार्टी की लड़ाई में उनका समर्थन करेंगे।

दो हजार करोड़ से यूपी में स्थापित होगा बायो प्लास्टिक पार्क

लखनऊ, संवाददाता। बायो प्लास्टिक के निर्माण के जरिए पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने में जुटी योगी सरकार प्रदेश में दो हजार करोड़ से बायो प्लास्टिक पार्क की स्थापना करने जा रही है। प्रदेश के लखीमपुर खीरी जनपद के गोला गोकर्णनाथ तहसील के कुम्भी गांव में 1000 हेक्टेयर में स्थापित होने वाले इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिये हैं। इस पार्क को बलरामपुर चीनी मिल फर्म द्वारा बनाया जाएगा, जिससे यहां ने केवल बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा बल्कि बायो प्लास्टिक पार्क बनने से क्षेत्र में कई अन्य सहायक उद्योग भी स्थापित हो सकेंगे। पार्क के विकास के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज

औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को नोडल बनाया जाएगा।

निर्मित किये जा सकेंगे कई प्रकार के औद्योगिक उत्पाद

बायो प्लास्टिक एक प्रकार का प्लास्टिक होता है जो प्राकृतिक सामग्रियों, जैसे कि मक्का, सूरजमुखी या शक्कर के कणों से बनाया जाता है। इसे प्राकृतिक प्लास्टिक भी कहा जाता है। यह तेजी से विघटित हो जाता है, जिससे इसका पर्यावरण में प्रदूषण प्रभाव कम होता है। इसका उपयोग न केवल पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देता है, बल्कि इसका उपयोग अलग–अलग उद्योगों में भी किया जा सकता है, जैसे कि पैकेजिंग, रेडिमेड वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक उत्पाद। इसके विकास और उपयोग से प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे को कम करने में मदद मिलती है और पर्यावरणीय स्थिति में सुधार करने में यह बहुत ही ज्यादा सहायक साबित हो सकता है। बायो प्लास्टिक पार्क के विकास से नए वैज्ञानिक व तकनीकी क्षेत्र में नौकरी के अवसर भी उत्पन्न होंगे ही साथ ही ये पार्क वैज्ञानिकों और अनुसंधान कर्ताओं के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा, जहां वे नवीनतम प्रौद्योगिकियों और अनुसंधानों के माध्यम से प्लास्टिक निर्माण की क्षमताओं को विकसित कर सकते हैं। इस पार्क में प्लास्टिक से जुड़ी विभिन्न प्रौद्योगिकियों का विकास और अध्ययन भी किया जाएगा। जिससे प्लास्टिक के प्रभावी उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए नवीनतम तकनीकी उत्पाद विकसित किए जा सकेंगे। इसके जरिए प्लास्टिक से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान निकाला जा सकेगा।

6 महीने बाद जेल से बाहर आए हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दिए जाने के बाद रांची की बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गए। कल्पना सोरेन के साथ जेल से बाहर निकले तो झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के बीच उनका स्वागत किया। मामले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय ने सोरेन, आईएएस अधिकारी और रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, भानु प्रताप प्रसाद और अन्य सहित 25 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया था। अपने खिलाफ जमीन हड़पने के आरोपों से दृढ़ता से इनकार किया था और कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला थोपा था। झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ ही मिनट बाद उन्हें 31 जनवरी को रांची राजभवन से गिरफ्तार कर लिया गया था। सोरेन और अन्य के खिलाफ कथित भूमि हड़पने से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत रांची में छापे के बाद 1 करोड़ रुपये नकद और 100 जिंदा गोलियां जब्त कीं।

राष्ट्रीय राजधानी में बारिश के बाद जलभराव की समस्या, दिल्ली एलजी ने की आपात बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। तड़के हुई लगातार बारिश के बाद दिल्ली के कुछ हिस्सों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने अधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए एक

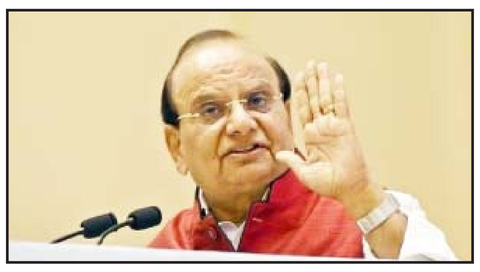

आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया। भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी में पानी भर जाने के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए उन्होंने आज दिल्ली सरकार के साथ एक आपात बैठक को संबोधित किया। बैठक के दौरान एलजी सक्सेना ने राजस्व विभाग को अत्यधिक बारिश की स्थिति में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के तहत आपदा प्रतिक्रिया सेल को सक्रिय करने के आदेश भी जारी किए। इस बीच, बैठक सीजन की पहली बारिश के बीच हुई, जिसने एक बार फिर जलजमाव वाली सड़कों, अंडरपासों, पानी में फंसे वाहनों और लंबे ट्रैफिक जाम के साथ पिछली मुठभेड़ों की यादें ताजा कर दीं, कई निवासियों ने शहर के जल निकासी बुनियादी ढांचे पर निराशा व्यक्त की।

जलभराव की स्थिति पर भाजपा ने आप पर निशाना साधा

गौरतलब है कि सत्तारूढ़ आप सरकार और बीजेपी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है. बुनियादी ढांचे में गंभीर चूक को उजागर करने और आप पर कटाक्ष करने के लिए, भाजपा पार्षद रविंदर सिंह नेगी ने आज सुबह पानी से भरी सड़क पर नाव चलाई। पिछले एक महीने से हम पीडब्ल्यूडी के नालों की सफाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार ने कुछ नहीं किया। नतीजतन, आज पूरे शहर में बाढ़ आ गई है और सरकार की ओर से कोई इंतजाम नहीं किया गया है।

नीट का मुद्दा देश के भविष्य से जुड़ा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नीट परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर संसद में सम्मानजनक और अच्छी चर्चा करने का आग्रह किया क्योंकि यह देश के युवाओं से संबंधित है। कांग्रेस नेता ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि नीट मुद्दा आज का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है और विपक्षी दल इस बात पर सहमत हैं कि किसी भी अन्य चीज से पहले इस पर चर्चा की जानी चाहिए। अपने बयान में राहुल ने कहा कि यह युवाओं से जुड़ा मुद्दा है और इंडिया गुट का मानना है कि यह सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि संसद को युवाओं को संदेश देना चाहिए कि सरकार और विपक्ष छात्रों की चिंताओं को उठाने में एक साथ हैं। मैं पीएम मोदी से आग्रह करता हूं कि वे संसद में नीट मुद्दे पर सम्मानजनक, अच्छी चर्चा करें क्योंकि यह देश

के युवाओं से संबंधित है। वहीं, संसद में राहुल ने कहा कि हम विपक्ष और सरकार की ओर से भारत के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे – कि हम इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं। इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों का सम्मान करने के लिए हम आज छम्म्ज पर चर्चा करेंगे, एक समर्पित चर्चा। हालांकि, स्पीकर ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाए। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (अंडरग्रेजुएट) या एनईईटी–यूजी एनटीए द्वारा 5 मई को आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया था। परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे, लेकिन इसके बाद अन्य अनियमितताओं के अलावा बिहार जैसे राज्यों में प्रश्न पत्र लीक के आरोप लगे। शिक्षा मंत्रालय ने इनपुट मिलने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग– राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी– नेट) और एनईईटी परीक्षाओं को भी रद्द कर दिया। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा–स्नातक से जुड़ी कथित अनियमितताओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की 'नाकामी' और पेपर लीक से जुड़े मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को खारिज किए जाने के बाद विपक्षी सदस्यों ने शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामा किया। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब आधे घंटे के भीतर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री होंगे देश के नए विदेश सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री, बीजिंग के पूर्व दूत और चीन के विशेषज्ञ, को शुक्रवार को भारत के अगले विदेश सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। नियुक्ति समिति की अधिसूचना के अनुसार, भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के 1989 बैच के अधिकारी मिस्री, जिन्हें तीन प्रधानमंत्रियों के निजी सचिव के रूप में सेवा करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है, 15 जुलाई को अपना नया पद संभालेंगे। कैबिनेट का. वह जनवरी 2022 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में शामिल हुए। विनय क्वात्रा का स्थान लेंगे, जिन्हें अप्रैल में छह महीने का विस्तार दिया गया था। उसी अधिसूचना में कहा गया है कि क्वात्रा का विस्तार अब 14 जुलाई तक वैध रहेगा। यह व्यापक रूप से उम्मीद है कि क्वात्रा को संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत का अगला राजदूत नामित किया जाएगा। मामले से परिचित लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि चीन पर उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए मिस्री विदेश सचिव के रूप में स्वाभाविक रूप से उपयुक्त होंगे, जो भारत के लिए सबसे बड़ी विदेश नीति चुनौती बनी हुई है। 2019–2021 के दौरान बीजिंग में राजदूत के रूप में, मिस्री ने मई 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के लद्दाख सेक्टर में सैन्य गतिरोध शुरू होने के बाद चीनी सरकार के साथ संपर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जून 2020, जिसमें 20 भारतीय सैनिक और कम से कम चार चीनी सैनिक मारे गए, ने द्विपक्षीय संबंधों को छह दशक के निचले स्तर पर पहुंचा दिया है।

देश के सभी हवाई अड्डों पर होगी इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच - राम मोहन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर शुक्रवार सुबह डिपार्चर फोरकोर्ट पर कैनोपी गिरने की घटना के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि देश के सभी एयरपोर्ट पर इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। दिल्ली हवाई अड्डे पर स्थिति की समीक्षा के बाद केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, श्श्आज टर्मिनल–1 पर सुबह 5 बजे बेहद दुःखद घटना हुई। भारी बारिश की वजह से टर्मिनल–1 की छत का एक हिस्सा गिर गया। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे बहुत गंभीर घटना के रूप में लिया गया है। न केवल इस पर एयरपोर्ट की, बल्कि पूरे देश में जितने भी एयरपोर्ट हैं, हम उन सभी की फिर से जांच करेंगे। हम सभी एयरपोर्ट की गहन जांच करेंगे। दिल्ली के इंदिरा गांधी

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार तड़के हुए हादसे में कैनोपी का एक हिस्सा वहां खड़ी कारों पर गिर गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। राम मोहन नायडू ने कहा, टर्मिनल–1 से जो भी उड़ानें संचालित हो रही हैं, उन्हें टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 पर जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो। इंडिगो ने दोपहर बाद दो बजे तक अपनी सभी उड़ानें रद्द करने की घोषणा की है। उसने यात्रियों को वैकल्पिक उड़ान चुनने या पूरा रिफंड पाने के लिए लिंक उपलब्ध कराया है। वहीं स्पाइसजेट की उड़ानें सुबह 10.30 बजे के बाद से टर्मिनल 3 पर स्थानांतरित की गई हैं।

हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने बताया कि हादसे की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल टर्मिनल 1 से सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से चेक–इन काउंटर बंद कर दिये गये हैं। इंडिगो के अलावा अन्य विमान सेवा कंपनियों की टर्मिनल 1 की उड़ानों को टर्मिनल 2 और 3 पर स्थानांतरित किया जा रहा है।

सिन्हा ने अमर नाथ शिविर का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

जम्मू, एजेसी। बमनोज सिन्हा ने जम्मू में अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर का दौरा किया और तीर्थयात्रा के लिये की गयीं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे के बीच अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार को जम्मू से कश्मीर के दो आधार शिविरों के लिए रवाना होगा जो इस वर्ष की तीर्थयात्रा की शुरुआत होगी। सिन्हा के साथ पुलिस महानिदेशक आर.आर. स्वैन और शीर्ष नागरिक एवं सुरक्षा अधिकारी भी थे। सिन्हा ने भगवती नगर स्थित आधार शिविर का दौरा किया और व्यवस्थाओं की एक बैठक की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक व धार्मिक संस्थानों के पास शराब के कारोबार को हतोत्साहित करने की कर रहे कोशिश - सीएम सावंत

पणजी, एजेंसी। विपक्ष और नागरिक समाज की आलोचना का सामना करने के बाद, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों के आसपास शराब के कारोबार को हतोत्साहित करने की कोशिश की है। विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ, गोवा फॉरवर्ड के विधायक विजय सरदेसाई, गोवा शराब व्यापारी संघ और कई अन्य ने शराब के मुद्दे पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की आलोचना की थी। राज्य वित्त विभाग ने एक अधिसूचना में कहा, गोवा आबकारी शुल्क नियम के तहत जारी लाइसेंसों और ऐसे लाइसेंसों के नवीनीकरण के लिए 100 प्रतिशत अतिरिक्त लाइसेंस शुल्क लिया जाएगा। सीएम सावंत ने स्पष्ट किया, हमने बार और शराब की दुकानों को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक या धार्मिक संस्थानों से

दूरी की सीमा को 100 मीटर से कम नहीं किया है। यह गलत धारणा है कि मैंने कानून बदल दिया है। बल्कि शुल्क बढ़ाकर शराब के कारोबार को हतोत्साहित किया है। सावंत ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐसे स्थानों पर लाइसेंस देने के लिए कानून में ढील नहीं दी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों के पास शराब की दुकानें नहीं खोलनी चाहिए। अधिसूचना को लेकर सीएम सावंत पर हमला करते हुए अलेमाओ ने कहा, ष्मैं शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के करीब बार और शराब की दुकानों को अनुमति देने वाली अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग करता हूं। इन स्थानों की पवित्रता को बनाए रखना चाहिए। सरदेसाई ने कहा, यह हास्यास्पद है और विश्वास से परे है कि गोवा की भाजपा सरकार ऐसा करने के लिए मौजूदा कानूनों में हेरफेर करेगी। सरकार का यह निर्णय पूजा स्थलों के साथ–साथ शिक्षा के मंदिरों को भी भ्रष्ट करने के समान है। ऐसे में सरकार को अधिसूचना जारी करनी होगी।

संसद में विपक्षी दलों को जवाब देने की भाजपा की तैयारी

नई दिल्ली, एजेसी। संसद के दोनों सदनों में शुक्रवार से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होनी है। भाजपा की तरफ से लोकसभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और राज्यसभा में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी चर्चा की शुरुआत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब लोकसभा में 2 जुलाई और राज्यसभा में 3 जुलाई को दे सकते हैं। लोकसभा चुनाव में संख्या बल बढ़ने से उत्साहित विपक्षी दल नीट और महंगाई सहित कई अन्य मुद्दों पर एकजुट होकर सरकार को संसद में घेरने की तैयारी कर रहे हैं। इसके जवाब में भाजपा भी अपनी रणनीति को पुख्ता कर जोरदार पलटवार करने के लिए अपने सांसदों को ट्रेनिंग दे रही है। भाजपा ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में अपने सांसदों के लिए एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

किया है। इस शिविर में प्रशिक्षण देने के लिए पार्टी के 80 के लगभग लोकसभा सांसदों को बुलाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता इन सांसदों को संसदीय व्यवहार को लेकर प्रशिक्षण देते हुए यह बताएंगे कि संसद में मुद्दों को किस तरह से उठाना चाहिए, अपनी बात कैसे रखनी चाहिए और विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब कैसे देना चाहिए। बीएल संतोष सांसदों को मुद्दों की गहराई, गंभीरता, सरकार की उपलब्धियों और मुद्दों पर पार्टी की रणनीति और स्टैंड से अवगत कराएंगे।

संपादकीय

समलैंगिक विवाह कानून

थाईलैंड ने दक्षिण–पूर्व एशिया में पहला देश बनकर इतिहास रच दिया, जिसने समलैंगिक जोड़ों को मान्यता देते हुए विवाह समानता कानून पारित किया। सीनेट और इससे पहले प्रतिनिधि सभा द्वारा अनुमोदित कानून, और राजा द्वारा अनुमोदित होने के बाद, रॉयल गजट में प्रकाशित होने के तीन महीने बाद लागू हो सकता है। कार्यकर्ताओं द्वारा दो दशकों से अधिक के प्रयासों का परिणाम, यह विकास, उच्च सदन में विधायकों के भारी बहुमत द्वारा समर्थित था। यह कुछ महीने पहले निचले सदन में पारित हुआ था। कानून विवाह को एक पुरुष और महिला के बीच के बजाय दो व्यक्तियों के बीच साझेदारी के रूप में वर्णित करता है, और इसके साथ, (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांस, क्वीर और अन्य) जोड़ों को कर राहत, विरासत, गोद लेने और स्वास्थ्य सेवा निर्णय लेने से संबंधित विषमलैंगिक जोड़ों के समान कानूनी अधिकार और मान्यता प्राप्त होगी। ये अधिकार समलैंगिक जोड़ों को इसलिए नहीं दिए जाते क्योंकि वे विवाहित नहीं हैं। 1980 के दशक की शुरुआत में थाईलैंड की चुनौतियों से मेरा पहला परिचय वाशिंगटन डीसी में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट की ब्रीफिंग में मेचाई विरवैद्य से हुआ था। जनसंख्या अधिवक्ताओं और नीति निर्माताओं से भरे कमरे में, मेचाई ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। स्कॉटिश मां और थाई पिता के बेटे के रूप में, उनके पास दोनों जीनों का सर्वश्रेष्ठ था। उन्होंने थाईलैंड की उच्च जन्म दर, सेक्स टूरिज्म, एड्स और गरीबी और उनके अंतर–संबंधों के बारे में बात की। उनका विश्लेषण प्रभावशाली था, जिसमें इन सभी मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण था, और पहली बार मैंने किसी व्यक्ति को सेक्स और कामुकता के मुद्दों पर इतनी स्पष्टता से बोलते हुए सुना था। इस पृष्ठभूमि के साथ, उन्होंने 1970 के दशक के मध्य में अपना संगठन जनसंख्या और विकास संघ शुरू किया। बैठक समाप्त हो गई और जैसे ही हम कमरे से बाहर निकले, वे दरवाजे के पास खड़े हो गए, हमसे हाथ मिलाया और हमारी हथेलियों में कंडोम थमा दिया। बाद में, 1990 के दशक में, मैं प्रजनन स्वास्थ्य मुद्दों पर एक वृत्तचित्र पर काम करते समय थाईलैंड में मेचाई से कई बार मिला। हमने कई क्लीनिकों में शूटिंग की, जिन्हें उनके संगठन पीडीए ने सरकार और कॉर्पोरेट क्षेत्र के सहयोग से स्थापित किया था, जिसमें उनके द्वारा शुरू किए गए बेहद लोकप्रिय रेस्तरां कैबेज एंड कंडोम भी शामिल हैं। एशिया में, ताइवान 2019 में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाला पहला देश था, और फिर 2023 में नेपाल ने इसका अनुसरण किया। विडंबना यह है कि तीनों देश – ये सभी पारंपरिक समाज हैं – समलैंगिक विवाह कानून पारित करने में सक्षम हैं। थाई और ताइवान के लोग ज्यादातर बौद्ध हैं और नेपाली हिंदू हैं। हालाँकि इन धार्मिक परंपराओं में ऐसा कुछ भी नहीं है जो यह सुझाव दे कि समलैंगिक भागीदारी सही नहीं है, लेकिन वे इसका समर्थन भी नहीं करते हैं। प्रमुख दृष्टिकोण यह है कि विवाह एक पुरुष और एक महिला के बीच होता है। विवाह की संस्था मुख्य रूप से प्रजनन के लिए है। यह विचार कि एक ही लिंग के दो लोग एक साथ रह सकते हैं, सेक्स कर सकते हैं और प्रजनन नहीं कर सकते, कई लोगों को नापसंद है। लेकिन समय बदल गया है, और देशों में स्ळठज्फ़ आंदोलन अधिक दृढ़ और रणनीतिक हो गए हैं। इनमें से कई आंदोलनों ने अपने मुद्दों को मानवाधिकारों के रूप में पेश किया है और अपने संविधानों में खंडों को चुनौती दी है। नेपाल और ताइवान में, जहाँ समलैंगिक कानून पारित हो चुके हैं, समुदाय के सदस्यों को अक्सर भेदभाव, पूर्वाग्रह और यहाँ तक कि हिंसा का सामना करना पड़ता है। दक्षिण–पूर्व एशिया में, बढ़ती धार्मिक रूढ़िवादिता और औपनिवेशिक युग के कानूनों ने स्ळठज्फ़ समुदाय के लिए जीवन कठिन बना दिया है, और म्यांमार और ब्रुनेई सहित कई देशों में समलैंगिक संबंधों को अपराध माना जाता है। 2023 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में समलैंगिक विवाह को कानूनी रूप से मान्यता देने से इनकार कर दिया, जब अभियानकर्ताओं ने कानून के तहत विवाह करने का अधिकार प्राप्त करने की मांग की थी। उन देशों से सबक, जहाँ समलैंगिक विवाह को मान्यता दी गई है, सुझाव देते हैं कि स्ळठज्फ़ समुदाय और अन्य मानवाधिकार समूहों द्वारा लगातार अभियान चलाए जा सकते हैं। जबकि समुदाय के खिलाफ भेदभाव और हिंसा जारी रह सकती है, यह समय की बात है क्योंकि लोगों में जागरूकता बढ़ती है। थाईलैंड और अन्य देशों में, मीडिया, टीवी धारावाहिकों और फिल्मों में पहले की तुलना में अधिक स्ळठज्फ़ लोग दिखाई देते हैं, और समुदाय के लोगों की व्यक्तिगत कहानियाँ माता–पिता, विस्तारित परिवार और दोस्तों के सामने खुलकर सामने आती हैं। अब अधिक जागरूकता है। 2015 के एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, 89 प्रतिशत थाई लोगों ने कहा कि वे एक ऐसे सहकर्मी को स्वीकार करेंगे जो समलैंगिक या लेस्बियन है, 80 प्रतिशत को कोई आपत्ति नहीं होगी यदि परिवार का कोई सदस्य स्ळठज हो, और 59 प्रतिशत समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के पक्ष में थे। 2022 में तेजी से आगे बढ़ते हुए, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन के एक सर्वेक्षण में, 93 प्रतिशत थाई लोगों ने मित्रों या सहकर्मियों को स्वीकार किया, 91 प्रतिशत LGBT व्यक्ति को परिवार के सदस्य के रूप में स्वीकार करेंगे, और 80 प्रतिशत ने समलैंगिक विवाह का समर्थन किया। 2023 में 31 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच किए गए एक सरकारी सर्वेक्षण में, थाई जनता के 96.6 प्रतिशत लोगों ने समलैंगिक विवाह विधेयक का समर्थन किया।

मरुस्थल की तपती रेत के नीचे एक जीवमंडल

संजय

सार्वभौमिक गर्माहट, नित नए रिकॉर्ड बनाता सृष्टि का तापक्रम, और जीवन की कड़ियों को तोड़ने पर उतारू जलवायु परिवर्तन! ऐसे निराशाजनक भू–परिदृश्य में कोई सुखद समाचार मिले, तो मन हर्षित हो जाता है। पृथ्वी ग्रह, जो पूरे ब्रह्मांड में अब तक एकमात्र ज्ञात जिंदा ग्रह है, का जीवन के प्रति एक गहरा अनुराग है। जीवन के प्रति गहरी आत्मीयता संजोए और जीवन को निरंतर पोषित करती पृथ्वी का एक दिव्य दर्शन पृथ्वी पर सबसे शुष्क और जीव रहित अटाकामा रेगिस्तान के नीचे छिपे एक जीवमंडल की हाल में हुई एक खोज से हुआ है। एक अभूतपूर्व खोज में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे विकट पर्यावरण और जीवन संभावनाओं को ठेंगा दिखाने वाली चरम पर पहुंची जलवायु वाले अटाकामा रेगिस्तान की तपती रेत के नीचे छिपे हुए जीवमंडल को उजागर किया है। अनंत काल से जीवन से रहित माना जाने वाला अटाकामा अब नीचे की गहराइयों में पनप रहे सूक्ष्मजीवी जीवन की एक आश्चर्यजनक शृंखला को प्रकट करता है। अटाकामा मरुस्थल दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ पेरू, बोलेविया, चिली और अर्जेंटीना के कुछ हिस्सों को कवर करते हुए 1000 किलोमीटर तक विस्तार लिए हुए है। इसकी शुष्कतम जलवायु, जिसमें वस्तुतः नहीं के बराबर (मात्र 1 से 3 मिलीलीटर प्रतिवर्ष) वर्षा होती है, जो जीवन प्रक्रियाओं के लिए पर्याप्त नहीं है और अत्यधिक तापमान का उतार–चढ़ाव होता है, ने वैज्ञानिकों को इसकी तुलना मंगल ग्रह पर पाई जाने वाली स्थितियों से करने के लिए प्रेरित किया है। इसकी दुर्गम सतह के उपरांत भी शोधकर्ताओं को लंबे समय से संदेह था कि ऊपर की कठोरता से सुरक्षित होकर निचली सतह पर जीवन बना रह सकता है। वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह के नेतृत्व में हाल के अभियानों ने इन संदेहों की पुष्टि की है, क्योंकि उन्होंने रेगिस्तान की मिट्टी और चट्टानों की गहराई में खोज की है। डीएनए अनुक्रमण और समस्थानिक विश्लेषण सहित अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने इस असंभावित आवास में पनप रहे सूक्ष्मजीवों के एक विविध समुदाय की पहचान की है। परियोजना की प्रमुख शोधकर्ता डॉ. ऐलेना रोड्रिग्ज इस खोज को 'उल्लेखनीय रहस्योद्घाटन' के रूप में वर्णित करती हैं। वह कहती हैं कि अटाकामा मरुस्थल को लंबे समय से रेत और चट्टान का एक बेजान विस्तार माना जाता रहा है, लेकिन हमारे निष्कर्ष इस धारणा को पूरी तरह से चुनौती देते हैं। सतह के नीचे, जहां स्थितियां अधिक स्थिर हैं, हमने सूक्ष्मजीव जीवन के एक

संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का सामना किया है। खोजा गया एक नया जीवमंडल अपने भूमिगत पर्यावरण की चरम स्थितियों के लिए अनुकूलित सूक्ष्म जीवों से भरा हुआ है। बैक्टीरिया, आर्किया और कवक सहित इन सूक्ष्मजीवों ने इस कठोर परिदृश्य में जीवित रहने के लिए सरल रणनीतियां विकसित की हैं। इनमें से कुछ खनिजों से भोजन करते हैं।

जलवायु परिवर्तन महिलाओं को सहनशक्ति की सीमा

आदित्य

दिल्ली के सीमापुरी इलाके में कचरे से निपटते समय पसीने से लथपथ चेहरे वाली मजीदा बेगम कहती हैं, यह सब जीवन–यापन के बारे में है। यह बात भारत में लाखों महिलाओं के रोजमर्रा के संघर्षों की याद दिलाती है, जो गर्मी और उमस के दोहरे संकट का सामना कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में इसकी पकड़ मजबूत हो रही है, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि औसतन, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला–प्रधान परिवारों को पुरुष–प्रधान परिवारों की तुलना में गर्मी के तनाव के कारण अपनी आय का 8 प्रतिशत अधिक नुकसान होता है। जबकि पुरुष बेहतर कौशल के कारण द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों में चले गए हैं, महिलाएँ असंगठित क्षेत्रों में बनी हुई हैं, जहाँ दोहराव और श्रम–गहन कार्य होते हैं, एनजीओ ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया की जेंडर लीड सीमा भास्करन ने बताया, और मजीदा इस सबका जीता–जागता सबूत हैं। चार पतली लकड़ियों और फटी हुई चादर के अस्थायी आश्रय के नीचे घंटों बिताती हुई, तेज धूप और उच्च आर्द्रता से निकलने वाली गर्मी से भरी डामर, 65 वर्षीय कूड़ा बीनने वाली, अपने दिन के काम को करते हुए, मौसम की मार झेल रही है और अपनी उम्र से ज़्यादा बूढ़ी हो चुकी है। पसीने की बूंदों के साथ उसके चेहरे पर निशान बनते हुए, वह लगभग सौ मीटर दूर स्थित सामुदायिक जल टैंक की ओर चलती है। वह अपना सिर नल के नीचे झुकाती है, जिससे पानी उसके ऊपर गिरता है। कुछ समय के लिए तरोताजा होकर, वह भीषण गर्मी में अपने काम को फिर से शुरू करती है। यह जीवित रहने के बारे में है, उसने कामों के बीच समझाया। ष्हम हर घंटे पानी से खुद को भिगोते हैं ताकि चलते रहें। यह अनुष्ठान मजीदा और उसके जैसे अन्य लोगों के लिए उनके काम की असहनीय परिस्थितियों के बीच एक जरूरत है – पर्याप्त पीने के पानी, शौचालय, धूप से बचने के लिए छतरियाँ और मौसम के तत्वों के संपर्क में लंबे समय तक रहना। मजीदा के पति, जो 70 वर्ष के हैं और चलने–फिरने में असमर्थ हैं, पूरी तरह से उनकी कमाई पर निर्भर हैं। उनका अलग हुआ बेटा कोई सहायता नहीं करता। अच्छे दिनों में, वह कचरे से रिसाइकिल करने योग्य वस्तुओं को अलग करने के लिए 250 रुपये कमाती है, लेकिन जब बीमारी आती है और वह काम नहीं कर पाती है, तो उनके पास लगभग कुछ भी नहीं बचता है। मजीदा ने कहा, हम रात में खाते हैं या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि मैं दिन में काम करती हूं या नहीं। यह कई सालों में मेरी सबसे गर्म गर्मी है। गर्मी ने मुझे बीमार कर दिया, और मैं 15 दिनों तक काम नहीं कर सकी। मैं दिल की मरीज हूं, लेकिन मैं घर पर नहीं रह सकती,ष उसने कहा। शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण भारत में, जलवायु परिवर्तन से प्रेरित अत्यधिक गर्मी हाशिए के समुदायों और गरीब परिवारों की महिलाओं को आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के प्रति अधिक संवेदनशील बना रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, महिलाएं पहले से ही पुरुषों की तुलना में औसतन 20 प्रतिशत कम कमाती हैं, और गर्मी की लहरों के कारण यह अंतर और भी बढ़ जाता है। एक अभूतपूर्व गर्मी में, जहां कई जगहों पर गर्मी सूचकांक 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है, कहानियां कई हैं। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कोकावाड़ा गांव की 28 वर्षीय बसंती नाग ने कहा कि इस साल गर्मी में मतली और सुस्ती का अनुभव पहले कभी नहीं हुआ, और यह समस्या उन महिलाओं के लिए और भी बढ़ गई, जिन्हें पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ी। दंतेवाड़ा जिले में, मंगलदाई का तीन सदस्यीय परिवार गर्मी के चरम महीनों में महुआ के फूलों को इकट्ठा करने और बेचने के श्रम–गहन कार्य पर निर्भर है। मंगलदाई ने कहा, ष्इस साल, पहले की तुलना में महुआ का काम कम हुआ है, पिछले वर्षों की तुलना में लगभग आधा। नतीजतन, मेरी आय भी आधी हो जाएगी।ष महुआ एक प्रमुख गैर–लकड़ी वन उपज है और देश के आदिवासी क्षेत्रों में कई लोगों के लिए आय का प्राथमिक स्रोत है। कृषि में, महिलाएँ बिना किसी मशीनीकरण के बुवाई, रोपाई और कटाई जैसे कठिन काम करती हैं। अत्यधिक गर्मी से थकावट, निर्जलीकरण और मूत्र संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। चाय बागानों, स्ट्रीट वेंडरों और सफाई साथियों में काम करने वाली महिलाएँ सीधे धूप के संपर्क में आती हैं, जिससे उनकी उत्पादकता और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। घर से काम करने वाले लोगों की आय पर भी असर पड़ता है क्योंकि उन्हें घर के काम और काम दोनों एक साथ करने पड़ते हैं, जिससे उनकी आय में कमी आती है," भास्कर ने पीटीआई को बताया। महिलाओं के लिए, पानी, ईंधन और चारा लाने जैसे जीविका संबंधी काम अत्यधिक गर्मी में अधिक समय लेते हैं। गर्भवती महिलाओं को मृत शिशु के जन्म का जोखिम रहता है। बढ़ती बीमारियों के साथ देखभाल का काम बढ़ जाता है, जिससे रोजगार और आर्थिक भागीदारी में और कमी आती है, उन्होंने कहा। ग्रीनपीस इंडिया और नेशनल हॉकर्स फेडरेशन द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि दिल्ली में आठ में से सात महिला स्ट्रीट वेंडरों को अप्रैल और मई में गर्मी के दौरान उच्च रक्तचाप का सामना करना पड़ा, जबकि मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं ने अत्यधिक गर्मी के कारण अपने मासिक धर्म चक्र में देरी के बारे में चिंता जताई। सर्वेक्षण में भाग लेने वाली सभी महिलाओं ने बताया कि बढ़ती गर्मी के कारण रात में नींद न आना आम बात है और इसके परिणामस्वरूप पूरे दिन थकावट रहती है।

भारत–अमेरिका की कदमताल से बौखला गया है बीजिंग

केएस

अमेरिका और चीन के बीच तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में

तथा अमेरिकी संसद द्वारा पारित रिजॉल्व तिब्बत ऐक्ट को, जो तिब्बती लोगों को पूर्ण समर्थन देने का वादा करता है, अपनाने के बाद अमेरिकी संसद का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में भारत के धर्मशाला में दलाई लामा से मिला, जिससे चीन बुरी तरह भड़क गया। रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइकल मैककॉल के नेतृत्व में सात सदस्यीय उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने रिजॉल्व तिब्बत ऐक्ट के महत्व पर चर्चा की, जिसे राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अनुमोदित किया जाएगा, जो तिब्बती लोगों के अधिकारों के प्रबल पैरोकार हैं। इसी से संबंधित घटनाक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी और देश में हुए लोकसभा चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और व्यापकता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपना संदेश पोस्ट करते हुए लिखा कि प्रतिनिधिमंडल में शामिल अमेरिकी संसद के मित्रों के साथ विचारों का बहुत अच्छा आदान–प्रदान हुआ। उन्होंने आगे कहा कि वह भारत– अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में मजबूत द्विदलीय समर्थन को गहराई से महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट में दलाई लामा के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बैठक का उल्लेख नहीं है। रणनीतिक दृष्टि से इसे गुप्त रखा गया है। निर्वासित तिब्बती सरकार की मेजबानी करने वाले भारत का तिब्बत के साथ एक अनूठा संबंध है। भारत सरकार अक्सर तिब्बती मुद्दे के प्रति अपने समर्थन और चीन के साथ व्यापक रणनीतिक व आर्थिक संबंधों के बीच संतुलन बनाते हुए कदम उठाती रही है। अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल की धर्मशाला यात्रा के तुरंत बाद इस बैठक का समय चीन की आक्रामक नीतियों का मुकाबला करने में साझा मूल्यों और आपसी हितों को रेखांकित करने के लिए एक समन्वित कूटनीतिक प्रयास का संकेत देता है। जैसी की उम्मीद थी, चीनी दूतावास की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई, जिसमें अमेरिका को गलत संदेश देने से बचने की चेतावनी दी गई। चीनी मिशन ने एक्स पर कहा, श्हम अमेरिकी पक्ष से आग्रह करते हैं कि वह दलाई समूह के चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति को पूरी तरह पहचाने, शिजांग मुद्दे पर अमेरिका ने चीन से जो वादा किया था, उसका सम्मान करे और दुनिया को गलत संदेश देना बंद करे। तिब्बती इतिहास एवं संस्कृति को कमजोर करने के लिए चीन तिब्बत को शिजांग कहता है, जिसे अक्तूबर, 1950 में उसने जबरन हड़प लिया था। दलाई लामा धर्मशाला में निर्वासित रहकर तिब्बती लोगों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। इन बैठकों पर चीनी प्रतिक्रिया संभवतः बहुआयामी होगी। कूटनीतिक मोर्चे पर बीजिंग वाशिंगटन और नई दिल्ली के समक्ष औपचारिक विरोध दर्ज कर सकता है। वह तिब्बत पर चीनी रुख को आंतरिक मामला बताते हुए उसमें किसी भी तरह के हस्तक्षेप की निंदा करेगा। हालांकि, व्यापक रणनीतिक निहितार्थ चीन के क्षेत्रीय कूटनीतिक दृष्टिकोण को फिर से निर्धारित करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तिब्बत के बारे में भारत और अमेरिका के विचार एक जैसे हैं और दोनों का रुख एक समान है, जिससे चीन बौखलाया हुआ है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि चीन ने 1962 में भारत के साथ धोखा किया, जिसे 2020 में दोहराया गया, जब लद्दाख में टकराव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने बीजिंग के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए गंभीर पहल की थी, लेकिन चीन ने ऐसा नहीं किया, जिसके चलते वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और कई दौर की बातचीत के बाद भी कोई परिणाम नहीं निकला है। इन बैठकों से पता चलता है कि अमेरिकी और भारतीय हितों के मेल से एशिया में एक नई भू–राजनीतिक परिदृश्य का विकास हो रहा है। दोनों देश खासकर हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और आक्रामक व्यवहार के प्रति समान रूप से आशंकित हैं। अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए अमेरिका और भारत चीनी महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए एक नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता जता रहे हैं। बदले में चीन अपने गठजोड़ को मजबूत करने और क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करने पर जोर दे सकता है। इसके तहत वह पाकिस्तान के साथ संबंधों को गहरा कर सकता है, अन्य दक्षिण एशियाई देशों के साथ भागीदारी बढ़ा सकता है और रणनीतिक पैठ जमाने के लिए अपनी बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव परियोजनाओं में तेजी ला सकता है। इसके अलावा, चीन भारत के साथ विवादित सीमाओं पर अपनी सैन्य स्थिति को बढ़ा सकता है, खासकर लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के विवादास्पद क्षेत्रों में, ताकि अपने क्षेत्रीय दावों को पुख्ता किया जा सके। तात्कालिक रणनीतिक गणनाओं से परे, ये बैठकें लोकतांत्रिक मूल्यों और तानाशाही शासन के बीच व्यापक वैचारिक प्रतिस्पर्धा को भी उजागर करती हैं। अहिंसक प्रतिरोध और आध्यात्मिक नेतृत्व के प्रतीक दलाई लामा उन मूल्यों के प्रतीक हैं, जोध्लोकतंत्र और मानवाधिकारों की वैश्विक पैरोकारी करते हैं। उनके साथ जुड़कर, अमेरिका और भारत इन सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता मजबूत कर रहे हैं। दूसरी तरफ, चीन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड को बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। तिब्बत, शिनजियांग और हांगकांग में चीनी गतिविधियों पर बढ़ती वैश्विक निगरानी बीजिंग को रक्षात्मक स्थिति में ले आई है। वैश्विक प्रभाव की लड़ाई में, सॉफ्ट पावर और नैतिक अधिकार तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। धर्मशाला और दिल्ली की बैठकें अमेरिका और भारत के सॉफ्ट पावर को बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे उन्हें मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों का अगुआ माना जाता है। जैसे–जैसे एशिया में भू–राजनीतिक बिसात जटिल होती जाएगी।

अमेरिकी डॉलर की अपरिहार्य गिरावट

ललित

जैसा कि मार्क ट्वेन ने अपने बारे में कहा था, डॉलर की मृत्यु की रिपोर्ट अतिरंजित है – हालाँकि इसकी स्वास्थ्य समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। डॉलर व्यापार, भुगतान और

भंडार पर हावी है। अमेरिका में लगभग 96 प्रतिशत व्यापार, एशिया–प्रशांत क्षेत्र में 74 प्रतिशत और शेष विश्व में 79 प्रतिशत व्यापार इसी मुद्रा में होता है। केवल यूरोप में, जहाँ 66 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यूरो प्रमुख है, इसकी बाजार हिस्सेदारी कम है। लगभग 60 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय और विदेशी मुद्रा दावे (मुख्य रूप से ऋण) और देनदारियाँ (मुख्य रूप से जमा) अमेरिकी डॉलर में हैं। विदेशी मुद्रा लेनदेन में इसकी हिस्सेदारी लगभग 90 प्रतिशत है। अमेरिकी डॉलर वैश्विक आधिकारिक विदेशी भंडार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। ये हिस्सेदारी अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार (वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई, या क्रय शक्ति के लिए समायोजित 15 प्रतिशत) के अनुपात में असंगत है। डॉलर की कठिनाइयाँ काफी हद तक खुद से पैदा हुई हैं। असंयमित राजकोषीय और मौद्रिक नीति – जिसमें अमेरिकी बजट घाटा और सरकारी ऋण क्रमशः सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 7 प्रतिशत और 100 प्रतिशत से अधिक है – ने डॉलर की दीर्घकालिक क्रय शक्ति को कम कर दिया है। 1972 से, यह सोने के मुकाबले 99 प्रतिशत तक गिर गया है और वास्तविक वस्तुओं और सेवाओं की क्रय शक्ति का 90 प्रतिशत खो दिया है। अमेरिकी नीति निर्माताओं ने राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए कई तरीकों से डॉलर को हथियार बनाने की कोशिश की है, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धा की कमी जैसी आर्थिक कमजोरियों की भरपाई की है। अमेरिका ने विदेशी संस्थाओं को स्विफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों से बाहर करने की कोशिश की है। अमेरिकी कानूनी अधिकार क्षेत्र के अधीन नहीं लोगों और संगठनों को दंडित करने वाले द्वितीयक प्रतिबंध हैं। यदि कोई रूसी संस्था प्रतिबंधों के अधीन है, तो उसके साथ व्यवहार करने वाला कोई भी व्यक्ति अभियोजन का पात्र हो सकता है, भले ही वह अपने देश के कानूनों का अनुपालन कर रहा हो। यह अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से डॉलर भुगतान के कमजोर गठजोड़ के माध्यम से किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बैंकों और अन्य पर उनके देश में कानूनी लेनदेन के लिए मुकदमा चलाया गया है। यह खतरा अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित संस्थाओं के साथ व्यवहार को रोकने के लिए पर्याप्त है। हथियारीकरण संपत्ति जब्ती तक फैला हुआ है। यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर, अमेरिका और उसके सहयोगियों ने रूसी केंद्रीय बैंक के 300 बिलियन डॉलर के डॉलर होल्डिंग्स को फ्रीज कर दिया है। बिडेन प्रशासन ने REPO अधिनियम पारित किया, जिसमें अमेरिकी बैंकों द्वारा रखी गई लगभग 20 बिलियन डॉलर की रूसी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार दिया गया, मुख्य रूप से सरकारी प्रतिभूतियाँ जिन्हें वैध रूप से खरीदा गया था, और इसे यूक्रेन को हस्तांतरित किया गया। विदेशी शक्ति द्वारा रखे गए अमेरिकी सरकार के दायित्वों को चुनिंदा रूप से रद्द करना अब एक नीति विकल्प है, इसके संदिग्ध कानूनी आधार के बावजूद। यह एक चुनिंदा अमेरिकी सरकार डिफॉल्ट का प्रतिनिधित्व करेगा। अमेरिकी नीति निर्माता वैश्विक स्तर पर मुद्रा मूल्यों और पूंजी की लागत पर भी असंगत प्रभाव डालते हैं। एक मजबूत डॉलर और स्थानीय मुद्राओं का अवमूल्यन कई उभरते देशों में आयातित मुद्रास्फीति को बढ़ाता है। अमेरिकी डॉलर– मूल्यवान ऋण वाले उधारकर्ताओं को अब उच्च ऋण सेवा लागतों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सरकार के बॉन्ड दरों में वृद्धि के परिणाम स्वरूप वैश्विक स्तर पर अवधि ब्याज दरों में समान वृद्धि होती है, जिससे उधार लेने की लागत बढ़ जाती है। ये कारक विदेशी सार्वजनिक और निजी संस्थानों को डॉलर में लेन–देन करने या डॉलर की संपत्ति रखने के लिए बढ़ती अनिच्छा को प्रेरित कर रहे हैं। लेकिन अमेरिकी अधिकारी सीमित विकल्पों के कारण डॉलर के आधिपत्य को जारी रखने का अनुमान लगाते हैं। इसके मूल में दो सिद्धांत हैं। पहला अर्थशास्त्री रॉबर्ट मुंडेल और मार्क्स फ्लेमिंग का नीति त्रिविध या असंभव त्रिमूर्ति प्रस्ताव है। यह तर्क देता है कि एक अर्थव्यवस्था एक साथ निम्नलिखित को बनाए नहीं रख सकती है – एक निश्चित विनिमय दर, मुक्त पूंजी आंदोलन और एक स्वतंत्र मौद्रिक नीति। दूसरा अर्थशास्त्री रॉबर्ट ट्रिफिन के नाम पर विरोधाभास है। यह बताता है कि जहाँ उसका पैसा वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में कार्य करता है, वहाँ एक राष्ट्र को भंडार की माँग को पूरा करने के लिए बड़े व्यापार घाटे को चलाना चाहिए। किसी भी नए वैश्विक आरक्षित मुद्रा की स्थिति के लिए इच्छुक व्यक्ति को आर्थिक नियंत्रण के अस्वीकार्य नुकसान का सामना करना पड़ता है और उसे बड़े चालू खाता घाटे को चलाना पड़ता है। अन्य आवश्यक आवश्यकताओं में गहरे तरल पूंजी बाजार, उच्च ऋण गुणवत्ता, उपयुक्त समाशोधन, हिरासत और हस्तांतरण तंत्र, मजबूत शासन, कानूनी प्रवर्तनीयता और सार्वभौमिक स्वीकृति शामिल हैं। यूरो या युआन जैसे संभावित दावेदार सभी मानकों को पूरा नहीं करते हैं। आईएमएफ विशेष आहरण अधिकार, एक विश्व मुद्रा, एक ब्लॉकचेन–आधारित डिजिटल तंत्र या सोने के मानक पर वापसी जैसे अन्य विकल्प अवास्तविक हैं। लेकिन एक बदलाव चल रहा है। रूस का एमआईआर और चीन का क्रॉस– बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम वैकल्पिक फंड ट्रांसफर व्यवस्था प्रदान करता है। राष्ट्र अलग– अलग मुद्राओं में व्यापार कर रहे हैं।

जौनपुर मण्डल को उत्तर प्रदेश में आधार राजस्व में प्रथम स्थान, चीफ पोस्टमास्टर जनरल ने डाक अधीक्षक परमानन्द कुमार को किया सम्मानित

वाराणसी क्षेत्र के 13 अधिकारियों और कर्मियों को उत्तर प्रदेश परिमंडल में उत्कृष्टता हेतु चीफ पोस्टमास्टर जनरल ने किया सम्मानित

जौनपुर। डाक विभाग द्वारा लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश परिमंडल में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सर्किल एक्सिलेंस अवार्ड समारोह में सम्मानित किया गया। इसमें वाराणसी परिक्षेत्र के 13 अधिकारियोंध् कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यों हेतु उत्तर प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल श्री बा. सेल्वकुमार ने वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव की उपस्थिति में सम्मानित किया। इस अवसर पर उ.प्र. के सभी परिक्षेत्रों के पोस्टमास्टर जनरल और निदेशक डाक सेवाएँ उपस्थित रहे। चीफ पोस्टमास्टर जनरल श्री बा. सेल्वकुमार ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में पूरे उत्तर प्रदेश में आधार राजस्व में प्रथम स्थान हेतु जौनपुर मण्डल के अधीक्षक डाकघर श्री परमानंद कुमार को सर्किल एक्सीलेंस अवार्ड समारोह में सम्मानित किया। वहीं, बचत खाता राजस्व एवं सुकन्या समृद्धि खाता में प्रथम स्थान हेतु वाराणसी पश्चिम मण्डल के अधीक्षक डाकघर श्री विनय कुमार एवं डाक वितरण में द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु बलिया मण्डल के डाक अधीक्षक श्री हेमंत कुमार को द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु सम्मानित किया गया। इसके अलावा, अन्य श्रेणियों में बेस्ट डाक निरीक्षक संवर्ग में डाक निरीक्षक चंदौली जय गोपाल पांडेय को द्वितीय स्थान, बेस्ट ग्रामीण डाक सेवक संवर्ग में शुभम जयसवाल, ब्रांच पोस्टमास्टर न्योली गाजीपुर को प्रथम स्थान, डाक जीवन बीमा के क्षेत्र में डेवलपमेंट ऑफिसर संवर्ग में सर्वेश पांडेय, वाराणसी पश्चिम मण्डल को प्रथम स्थान और दिनेश कुमार, गाजीपुर मण्डल को द्वितीय स्थान, डायरेक्ट एजेंट संवर्ग में संतोष कुमार यादव को तृतीय स्थान, फील्ड ऑफिसर संवर्ग में राम बचन मौर्य को द्वितीय स्थान एवं ड्राइवर संवर्ग में वाराणसी पूर्वी मंडल के गोपाल सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त करने हेतु सम्मानित किया गया। वाराणसी पश्चिमी के सहायक डाक अधीक्षक इंद्रजीत पाल, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी के जांच निरीक्षक दिलीप पांडेय को भी उत्कृष्ट कार्यों हेतु हेतु सम्मानित किया गया।

थाना आशियाना पुलिस टीम द्वारा घर में घुसकर चोरी करने वाली 03 शातिर चोर अभियुक्ता मय चोरी किये गये माल के गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। थाना–आशियाना पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 205/24 धारा 380/457/411 भादवि थाना आशियाना से संबंधित 03 नफर अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि वादी मुकदमा द्वारा दिनांक 13.06.2024 को बहुमूल्य सामान की चोरी के सम्बन्ध में दिये गये तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 205/2024 धारा 380 भादवि में पंजीकृत किया गया था। आज दिनांक 29.06.2024 को दौराने विवेचनात्मक कार्यवाही हेतु जरिये मुखबिर खास की सूचना पर देवीखेडा मोड के पास थाना आशियाना लखनऊ से अभियुक्ता 01. संतोष थारू पत्नी सतीश उर्फ सोनू निवासी–बड़ी मस्जिद के पीछे आजाद नगर थाना कृष्णानगर लखनऊ उम्र 35 वर्ष 02. निशा पत्नी मिड्डू थारू निवासी–बड़ी मस्जिद के पीछे आजाद नगर थाना कृष्णानगर लखनऊ उम्र 23 वर्ष 03. चाँदनी पत्नी बादल निवासी–बड़ी मस्जिद के पीछे आजाद नगर थाना कृष्णानगर लखनऊ को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही हेतु समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनायें चलायी जा रही हैं – रजनी तिवारी

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) विकास खण्ड टोडरपुर एवं शाहाबाद में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजना एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक जागरूकता गोष्ठीध्प्रदर्शनी का आयोजन आज विकास खण्ड सभागार किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, श्रीमती रजनी तिवारी द्वारा गोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया तथा कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अधिकारी एवं किसानों के साथ अवलोकन भी किया गया। मुख्य अतिथि ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री व मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनायें चलायी जा रही हैं। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत किसानों के खाते प्रतिवर्ष छः हजार रूपये सीधे खाते में भेजने का काम किया है। उन्होने बताया कि कृषक भाई पीएम किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत पंजीकरण में भूलेख अंकन एवं बैंक खाते में आधार सीडिंग का कार्य अवश्य करवा लें। मुख्य अतिथि द्वारा रामनरेश पुत्र छोटे ग्राम रमापुर विकास खण्ड भरखनी को कस्टम हायरिंग सेन्टर योजना के अन्तर्गत ट्रैक्टर की चाभी वितरित की गयी। इसके अतिरिक्त कृषक मुरारी लाल, लालराम, देशराज, रामबहादुर, तौकीर खॉ, सलाउददीन, मुन्नूलाल एवं मनोज कुमार को उर्द बाजरा के मिनीकिट निःशुल्क वितरित किये गये। त्रिपुरेश मिश्र, ब्लाक प्रमुख, शाहाबाद ने किसानों को सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे बताते हुए अनुरोध किया कि वह सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क कर योजनाओं का लाभ उठाये। श्याम बाबू त्रिवेदी, ब्लाक प्रमुख टोडरपुर द्वारा किसानों से आग्रह किया कि सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं एवं उन्नतशील खेती के माध्यम से अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। डा० नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक, ने किसानों को विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा योजना, सोंलर पम्प योजना प्रमाणित बीज पर अनुदान योजना, कृषि यंत्रो पर अनुदान की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होने किसानो को अवगत कराया कि राज्य सरकार सभी प्रकार के बीजों पर 50 से 90 प्रतिशत तक अनुदान दे रही है एवं कृषि यंत्रों पर 50 से 80 प्रतिशत तक एवं सोलर पम्प 60 प्रतिशत अनुदान पर दे रही है। डा० सी०पी०एन गौतम, वरिष्ठ वैज्ञानिक के०वी०के०, हरदोई द्वारा खरीफ फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए उनके नियंत्रण के बारे में किसानों को जानकारी दी। डा० आर०डी० तिवारी, सेवानिवृत्त, वैज्ञानिक, गन्ना शोध संस्थान, शाहजहाँपुर द्वारा किसानों को गन्ना की खेती के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए कृषकों को पोक्का बोईंग रोग, रेडरॉट बीमारी एवं टॉप बोरर, दीमक आदि के नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। डा० पी०के० कपिल वरिष्ठ वैज्ञानिक, गन्ना किसान संस्थान, शाहजहाँपुर द्वारा कृषकों जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी दी। उक्त अवसर पर उप जिलाधिकारी, शाहाबाद, खण्ड विकास अधिकारी, शाहाबाद एवं टोडरपुर, पशुचिकित्साधिकारी, शाहाबाद एवं टोडरपुर, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) शाहाबाद एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

केनरा बैंक की नई शाखा का उदघाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। आज केनरा बैंक की नई शाखा लुलु माल के निकट सुशांत गोल्फ सिटी मे खोली गयी। नई शाखा का उदघाटन बैंक के अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक रंजीव कुमार ने किया।

इस अवसर पर अंचल कार्यालय के उपमहाप्रबंधक संजय कुमार और क्षेत्रीय कार्यालय के उपमहाप्रबंधक राजेश के एस, सहायक महाप्रबंधक संजय कुमार त्रिवेदी तथा शाखा प्रबंधक शिवम शुक्ला उपस्थित रहे। लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ प्रथम की 57वी शाखा है और अंचल की 492 वी शाखा है।

सीडीओ के निर्देश के क्रम में विद्यालयों का किया गया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जिला स्तरीय टास्क फोर्स/जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक 27 जून 2024 में मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम द्वारा दिये गये दिशा–निर्देश के अनुक्रम में 29 जून 2024 को जनपद में कार्यरत समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों, डायट प्रवक्ता, जिला समन्वयक, एस0आर0जी0 एवं ए0आर0पी0 द्वारा 1350 विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण में 2 प्रधानाध्यापक, 33 सहायक अध्यापक, 12 शिक्षामित्र, 14 अनुदेशक एवं 4 अनुचर अनुपस्थित पाये गये। अनुपस्थित पाये गये समस्त कार्मिकों का निरीक्षण तिथि का वेतन अवरुद्ध करते हुए स्पष्टीकरण जारी किया गया।

फर्जी आख्या– जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत के निस्तारण में मृतक को बनाया गवाह, दारोगा निलंबित

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी आईजीआरएस योजना में भी जिम्मेदार पलीता लगाने से बाज नहीं आ रहे है। ऐसा ही एक मामला बेनीगंज थाने से प्रकाश में आया है। जिसमें दरोगा रामशंकर पांडेय ने मृतक को जांच में गवाह बनाया है। शिकायत मिलने पर आज एसपी ने दरोगा को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के निर्देश दिए है। जानकारी के अनुसार बेनीगंज थाने के निवासी रंजीत कुमार उर्फ बंटू ने आईजीआरएस पोर्टल पर पुलिस को एक ऑनलाइन शिकायत की थी। जिसमें पीड़ित ने गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। जांच उपनिरीक्षक रामशंकर पांडेय को सौंपी गई तो उन्होंने मृतक सुरेंद्र को स्वतंत्र गवाह बना दिया। जिसकी विगत 26 मई 2024 को मौत हो चुकी थी। एसपी केशव चंद गोस्वामी ने इस गंभीर मामले की जांच कराई। जिसमें पाया गया कि उपनिरीक्षक रामशंकर पांडेय ने मृतक व्यक्ति के बयान स्वतंत्र गवाह के रूप में अंकित किए है। जिसको गंभीर लापरवाही मानते हुए एसपी ने उपनिरीक्षक रामशंकर पांडेय को निलबित कर दिया और उनके विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश दिए है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। साथ ही मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना में लापरवाही चर्चा का विषय बनी हुई हैं।एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने बताया कि बेनीगंज थाने के उपनिरीक्षक रामशंकर पांडेय को दोषी पाया गया। जिनके विरुद्ध एसपी हरदोई ने निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं।

चौबीस घंटे बाद भी कैंट थाना क्षेत्र में युवती हत्याकांड का खुलासा नहीं कर सकी पुलिस

अयोध्या। थाना कैंट के कोटसराय गांव में युवती की मौत हत्या की गुत्थी पुलिस चौबीस घंटे बाद भी नहीं सुलझा सकी है।पुलिस का एक ही रटा रटाया जबाब मिल रहा है कि पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।पुलिस अधिकारी इस मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़ रहे हैं।मामला चाहे जो भी पुलिस इस हत्याकांड में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।इस संबंध में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने संयुक्त रुप से बताया कि प्रथम दृष्टया इस हत्याकांड का मुख्य कारण प्रेम प्रसंग होना बताया।इन दोनों अधिकारियों ने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिये कई टीमों का गठन किया गया है और शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई है।पुलिस इस घटना का खुलासा शीघ्र ही करेगी। परंतु चौबीस घंटे बीत जाने के बावजूद अभी पुलिस इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में सफल नहीं दिखाई दे रही है।बताते चलें कि शुक्रवार को थाना कैंट क्षेत्र में कोटसराय निवासी पूजा यादव की शव उसके की घर के सामने बरामदे में खून से लथपथ मिला था। बताया जा रहा है कि मृतका पूजा यादव गांव में ही एक बेकरी में काम करती थी। बताते चलें कि घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी राज करन नय्यर ने बताया कि मृतका पूजा यादव अपने ननिहाल में अकेले रहती थी।बचपन में पूजा के माता–पिता की मौत हो गई थी।मां–बाप की मौत के बाद पूजा अपने नानी के घर आ गई थी।जहां कुछ साल पहले उसके नाना–नानी की भी मौत हो गई।पूजा घर पर सिलाई का काम करने के साथ साथ तीन साल पहले गांव में बेकरी पर काम करती थी। इस संबंध में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच रही है। शीघ्र ही पुलिस इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा करेगी।

युद्ध स्तर पर नगर निगम पानी निकालने के लिए उतरा

अयोध्या। जल भराव की शिकायत पर नगर निगम की टीम उतारी ग्राउंड जीरो पर, जगह–जगह जल भराव का नगर आयुक्त ले रहे हैं जायजा, जल निकासी के समुचित प्रबंधन की हो रही है व्यवस्था,जलवानपुरा में जल निकासी को लेकर एक हफ्ते का मांगा समय,कहा स्थाई तौर पर जलवानपुरा में कॉलोनी में भरे पानी की निकासी की किया जा रहा है प्रयास,रामपथ और जन्मभूमि पथ के साथ–साथ श्री राम अस्पताल में भरे हुए जल के निकासी को लेकर किया स्थलीय निरीक्षण, नगर निगम के नगर आयुक्त का बयान, जल भराव के निस्तारण का किया जा रहा है हर संभव प्रयास,जलवानपुरा से जल निकासी के लिए की जा रही है स्थाई कार्यवाही,आगामी एक हफ्ता के अंदर जल निकासी की समस्या से मिल जाएगा निदान, डीवाटरिंग पंप लगाए गए हैं, अधिकतम क्षमता के साथ जल निकासी कराया जा रहा है,

अयोध्या धाम

क्षेत्र का पानी जलवानपुरा में स्थित क्षीरसागर में होता है एकत्रित, सीवेज के माध्यम से होता है पानी समाप्त,सीवेज के भार को कम करने के लिए बिछाई जा रही है पाइपलाइन, अयोध्या विकास प्राधिकरण के द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर निरीक्षण कर रहे नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि महानगर में पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है।, जल भराव की समस्या को समाधान करने के लिए 24 ' 7 नगर निगम की टीमें काम कर रही है।

पत्रकार जगत के पितामह सुरेश पाठक की निधन पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंगठन ने जताया शोक

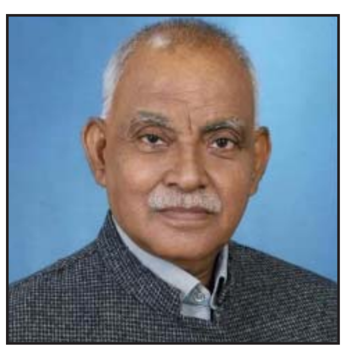

अयोध्या। अयोध्या में कई वर्ष वर्षों तक जनमोर्चा समाचार पत्र से जुड़े रहे व फैजाबाद की आवाज के संपादक, प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेश पाठक का बीती रात इलाज के दौरान निधन हो गया। 27 जून को अचानक उनकी तबीयत खराब हुई और रात में ही 10रू10 पर अचेतावस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। 69 वर्षीय पाठक मधुमेह, उच्च रक्तचाप व किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। इलाज के दौरान रात में 12:25 पर उनका निधन हो गया।श्री पाठक की पत्रकारिता के क्षेत्र में काफी मजबूत पकड़ रही।

बताते चलें कि जनमोर्चा से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने स्वयं का श्फैजाबाद की आवाजश के नाम से समाचार पत्र प्रकाशित करना शुरू किया। राजनीतिक क्षेत्र में भी उनका काफी मान सम्मान था। राष्ट्रीय लोक दल के मुन्ना सिंह के अति करीबी व्यक्तियों में गिने जाते थे। मिलनसार एवं मृदुल स्वभाव के धनी श्री पाठक के निधन पर पत्रकारिता जगत में शोक की लहर फैल गई। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंगठन अयोध्या ने शोक सभा के माध्यम से दो मिनट का मौन रख कर शोक प्रकट करते हुए स्वर्गीय पाठक जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया।बैठक में ओंकार नाथ सिंह प्रधान संपादक एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंगठन अयोध्या, वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर मोहम्मद अनवर राष्ट्रीय वरिष्ठ महासचिव, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश चन्द्र पाण्डेय राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार बलराम तिवारी राष्ट्रीय महासचिव, डाक्टर पवन कुमार द्विवेदी , वरिष्ठ पत्रकार अरविन्द तिवारी , अमित कुमार वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अनिमेष श्रीवास्तव उर्फ पीयूष श्रीवास्तव,संजय कुमार मिश्र, डाक्टर संतोष तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार कमलेश कांत चतुर्वेदी, अमरनाथ तिवारी,वरिष्ठ पत्रकार लालजी चतुर्वेदी,अमन सिंह संपादक, विश्व जीत सिंह जिलाध्यक्ष, श्रीकांत यादव, अमरेन्द्र प्रताप सिंह आदि सहित कई पत्रकारों ने श्री पाठक के निधन पर पत्रकारिता की अपूर्णनीय क्षति बताया और शोक संवेदना व्यक्त किया है।वहीं अयोध्या जिला इकाई ने भी शोक सभा कर श्री पाठक के निधन पर दुःख प्रकट किया है।शोक प्रकट करने वालों में महासंगठन के जिलाध्यक्ष बलराम तिवारी, वरिष्ठ पदाधिकारी नरसिंह, राजेश उपाध्याय, दिनेश जायसवाल, राजेंद्र पाठक, विजय पाठक, गिरजा प्रसाद शुक्ल, रमा निवास पाण्डेय, वेदप्रकाश मिश्र, मिल्कीपुर तहसील अध्यक्ष वेद प्रकाश तिवारी, बीकापुर तहसील अध्यक्ष के के शुक्ल, सदर तहसील अध्यक्ष एके सिंह, सोहावल तहसील अध्यक्ष राज नारायण पाण्डेय, रुदौली तहसील अध्यक्ष अर्जुन कुमार, केके मिश्रा, अशोक कुमार द्विवेदी एडवोकेट, राजेश तिवारी, भास्कर तिवारी, देवराज मिश्रा, शिव कुमार पांडे, सुनील तिवारी, योगेंद्र सिंह, अमित तिवारी, वकार अहमद, डॉ अनिल तिवारी, शैलेंद्र कुमार शर्मा, मोहम्मद हसन, विजय बहादुर पांडे, शत्रोहन यादव, वेद प्रकाश तिवारी द्वितीय, राहुल कुमार पांडे, मित्रसेन यादव एवं मंशाराम, अरुण कुमार मिश्रा, पुष्पेंद्र मिश्रा, योगेंद्र नाथ उपाध्याय सहित दर्जनों पत्रकार शामिल रहे।

हाई स्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र–छात्राओं को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्यमंत्री के द्वारा उ०प्र० माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज की वर्ष 2024 में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री उ०प्र० शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार 29 जून, 2024 को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में हाईस्कूल में जनपद स्तर पर सम्मानित होने वाले 02 राज्य स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों, इण्टरमीडिएट जनपद स्तर पर सम्मानित होने वाले 05 राज्य स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों, हाईस्कूल जनपद स्तर पर सम्मानित होने वाले 09 जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों, इण्टरमीडिएट जनपद स्तर पर सम्मानित होने वाले 05 जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में कुल 21 मेधावी विद्यार्थियों में से 16 उपस्थित हुए एवं 05 विद्यार्थी जनपद के बाहर होने के कारण उपस्थित नहीं हो पाये। बेसिक शिक्षा विभाग में मुख्यमंत्री द्वारा डी०बी०टी० के माध्यम से प्रति बच्चा 1200 रू0 2.50 लाख बच्चो के खातों में भेजा गया। बेसिक शिक्षा विभाग की किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नम्बर 18008893277 है एवं कायाकल्प एवं निपुण अभियान की प्रशंसा की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्रजेश सिंह (प्रिन्सू) विधान परिषद सदस्य, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक नाथ तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल, जिला समन्वयक, आर०एम०एस०ए० डॉ० राजन सिंह, वरिष्ठ सहायक (परीक्षा प्रभारी) रूद्र प्रताप पाल, एकाउन्टेन्ट सभाजीत सिंह एवं समस्त कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक स्टाफ उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को लेकर जिला अधिकारी ने लिया बैठक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेंट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की द्वितीय अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक का सम्पन्न हुई। जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक एवं दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ–साथ अन्य 14 विभाग मिलकर गतिविधियां संपादित करते हैं। पंचायती राज विभाग एवं नगर पालिकाओं द्वारा क्रमशः ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में साफ–सफाई, एंटी लारवा छिड़काव, झाड़ियों की कटाई, जल भराव का निस्तारण, नालियों की सफाई एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का कार्य कराया जाता है। शिक्षा विभाग द्वारा नोडल अध्यापक के माध्यम से बच्चों को साफ–सफाई एवं वेक्टर जनित बीमारियों के प्रति जागरूक किया जाता है। नोडल टीचर बच्चों को हाथ धुलने की प्रक्रिया के विषय में भी जानकारी देंगे। कृषि विभाग द्वारा चूहे, छछूंदर की रोकथाम हेतु लोगों को संवेदीकृत किया जाता है। पशुपालन विभाग द्वारा सूकर पालकों को रिहायसी इलाकों से सूकर बाड़े दूर रखने एवं उनमें साफ–सफाई करने हेतु संवेदीकृत किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक अभियान में आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर–घर जाकर गतिविधियां संपादित कराया जाता है। आशा कार्यकर्ता घर–घर भ्रमण के दौरान बुखार एवं लक्षण युक्त व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हेतु ले जाती हैं। लोगों को संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूक करती हैं। घरों के अंदर मच्छर पैदा होने की परिस्थितियों की जांच करती हैं।

इस बार संचारी अभियान में स्टाफ डायरिया कैंपेन भी चलाया जा रहा है, इस कैंपेन का मुख्य उद्देश्य शून्य से 5 साल तक के बच्चों में डायरिया बीमारी के प्रसार को रोकने तथा यदि कोई बच्चा डायरिया से ग्रसित है तो उसके उपचार करने की व्यवस्था है। स्टाफ डायरिया कैंपेन की थीमध्डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओ0आर0एस0 रखें। डायरिया अभियान के अंतर्गत 05 साल से कम उम्र के बच्चों वाले घरों में आशा द्वारा ओ0आर0एस0 और जिंक का वितरण किया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्रों पर ओ0आर0एस0, जिंक कॉर्नर की स्थापना किया जाएगा। डायरिया अभियान में जागरूकता हेतु अंतर विभागीय सहयोग भी लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि अभियान के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हेतु यह आवश्यक है कि अभियान की मॉनिटरिंग अच्छे ढंग से करें। उन्होंने पंचायती राज विभाग से कहा है कि वह ग्रामों में झाड़ी की कटाई, साफ–सफाई एवं एंटी लारवा छिड़काव अवश्य कराएं। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिया है कि वह जल भराव की संभावित स्थिति से निपटने के लिए अपनी तैयारी कर लें। जल भराव वाले स्थलों का चिन्हीकरण कर ले, कहीं भी पानी का भराव नहीं होना चाहिए। नालियों की नियमित रूप से सफाई की जानी चाहिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल को निर्देश दिया कि सुनिश्चत करें कि कोई भी छात्र जर्जर भवन में न बैठे और इसके सम्बंध में प्रधानाध्यापकों से प्रमाण–पत्र भी लें। जिलाधिकारी ने आम जनमानस से अपील किया है कि वह संचारी रोग अभियान के दौरान साफ–सफाई रखें। हाथ धोने की प्रक्रिया का पालन करें। जब स्वास्थ्य कार्यकर्ता उनके घर पर जाएं।

पराग डेयरी का नया प्लांट 160 करोड़ से बना, 18 करोड़ के इंतजार में शुरू न हो सका

कानपुर, सवांददाता। कभी सूबे की साख रही साकेतनगर स्थित पराग दुग्ध डेयरी (प्रदेश सरकार से अनुदानित) का वजूद वर्तमान में संकट में है। कभी डेढ़ लाख लीटर दूध की रोजाना आपूर्ति करने वाली यह डेयरी सरकारी अनदेखी की वजह से लगातार पिछड़ती गई। हालांकि इसे दोबारा खड़ा करने के लिए सपा सरकार में 160 करोड़ रुपये से नया प्लांट तैयार किया गया। प्लांट चार साल से बनकर तैयार है, लेकिन महज 18 करोड़ रुपये की वजह से शुरू नहीं हो पा रहा है। ये रुपये दूध की खरीद, मशीनों के रखरखाव और नए स्टाफ के मद में चाहिए। बता दें साकेतनगर में 1962 में पराग डेयरी की स्थापना हुई थी। जल्द ही दूध के अलावा पेड़ा, दही, घी, मक्खन आदि उत्पाद शहरियों की पसंद बन चुके थे। हालांकि सरकार और प्रबंधन की अनदेखी के चलते हालत ऐसी हुई कि 2013 में प्लांट का उत्पादन न के बराबर रह गया। डेयरी को ऑक्सीजन देने के लिए 2016 में सपा सरकार ने नए प्लांट का शिलान्यास किया। करीब साढ़े चार लाख लीटर दूध व पाउडर उत्पादन की क्षमता वाला प्लांट 2020 में बनकर तैयार भी हो गया। हालांकि इससे पहले 2016–17 में आई वॉलंट्री रिटायर स्कीम (वीआरएस) की वजह से कर्मचारियों की संख्या 500 से घटकर 21 रह गई। वर्तमान में दूध का उत्पादन भी महज एक हजार लीटर ही रह गया। इससे पराग की गिरती साख ने न शासन का भरोसा खोया, बल्कि अब इसे चालू करने के लिए चार करोड़ रुपये की मांग भी बढ़ गई है। 2020 में ही इसे चालू कर दिया जाता तो 14 करोड़ रुपये की ही जरूरत होती। प्रबंधन की ओर से एक माह पूर्व आधुनिक मशीनों से लैस नए प्लांट के ट्रॉयल के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, इसके लिए कम से कम सात से आठ करोड़ की आवश्यकता है।

नालों की सफाई को हटवाया अतिक्रमण

सहारनपुर, सवांददाता। नगर निगम की टीम ने नालों की सफाई में बाधा बन रहे अतिक्रमण को अभियान चलाकर जेसीबी से हटवाया। इससे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने मेनहोल बनाने शुरू कर दिए। इसके बाद निगम की टीम ने कार्रवाई रोक दी और चेतावनी देकर लौट गए। नगर निगम की टीम ने रेलवे रोड पर जेसीबी के जरिए अतिक्रमण हटवाया। कुछ दुकानदारों ने आनन–फानन में खुद ही अपना सामान हटाकर अंदर रख लिया। वहीं, गांधी पार्क की दीवार से लगी 47 दुकानों के संचालकों ने भी अतिक्रमण कर रखा है। टीम मौके पर पहुंची तो हड़कंप मच गया। वहीं, कई बार नगर निगम के अधिकारी दुकानदारों से वार्ता कर अतिक्रमण हटाने के लिए भी कह चुके थे, लेकिन दुकानदारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नगरायुक्त संजय चौहान ने पार्षद राजेंद्र कोहली उपस्थिति में दुकानदारों को बुलाकर स्थिति से अवगत कराते हुए चेतावनी दी थी। कहा था कि दुकानों में नाला सफाई के लिए मैनहोल बनवा लें। ऐसा न करने पर कार्रवाई की जाएगी, लेकिन किसी ने निर्देशों का पालन नहीं किया। इसी के तहत स्मार्ट सिटी के अधिशासी अभियंता अमरेंद्र गौतम, अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा, जेडएसओ राजीव, प्रवर्तन दल के साथ जेसीबी लेकर पहुंचे। रेलवे रोड पर कुछ जगहों से अतिक्रमण हटवाया। दुकानदारों ने एक सप्ताह का समय और देने के लिए कहा, लेकिन अधिकारियों ने साफ इंकार कर दिया। व्यापारी नेता शीतल टंडन ने मौके पर पहुंचे और उन्होंने दुकानदारों से मेनहोल बनवाने के लिए। दुकानदारों ने आज से ही मेनहोल बनवाने शुरू कर दिए। इसके बाद नगर निगम की टीम वापस लौट गई। साथ ही चेतावनी दी कि अगर अब लापरवाही बरती गई तो कड़ी कार्रवाई होगी।

डेढ़ साल के बच्चे को सोता छोड़, एक ही फंदे से मां–बाप ने लगाई फांसी

आगरा, सवांददाता। आगरा के बाह क्षेत्र में थाना खेड़ा राठौर के नंदगवां में घर के बरामदे में शुक्रवार सुबह तड़के एक ही फंदे पर दंपती के शव लटके मिले। दोनों ने ये आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसके पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। दोनों का डेढ़ साल का एक बेटा भी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बाह थाना क्षेत्र के खेड़ा राठौर के नंदगवां के रहने वाले सुरजीत और उसकी पत्नी राधा ने आत्महत्या कर ली। दोनों के शव शुक्रवार सुबह घर के आंगन में एक ही फंदे पर लटके मिले। परिवार के लोग जब सुबह जागे, तो आंगन में ये दृश्य देख पसीने छूट गए। परिवार के लोगों की चीख पुकार सुन आस पास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिवार के लोगों से पूछताछ की। बताया गया है कि सुरजीत की शादी चार साल पहले राधा के साथ हुई थी। उनका डेढ़ साल का बेटा भी है। दोनों ने यह कदम क्यों उठाया, इस बारे में परिवार के लोग कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया दोनों के बीच आपसी कलह की वजह से आत्महत्या की बात सामने आ रही है।

जरीब चौकी अंडरपास की प्रोजेक्ट रिपोर्ट 80 प्रतिशत तैयार

कानपुर, सवांददाता। कानपुर में जीटी रोड किनारे आईआईटी से अनवरगंज तक बनने वाले एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के आड़े आ रहे जरीबचौकी क्रासिंग पर बनने वाले अंडरपास का निर्माण इसी साल शुरू हो सकता है। गुरुग्राम की कंसल्टेंट एजेंसी ने डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) करीब 80 प्रतिशत तैयार कर ली है। 10 दिन में रिपोर्ट पूरी तैयार हो जाएगी, इसके बाद यह रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। करीब 680 करोड़ रुपये से बनने वाला यह अंडरपास चार दिशाओं में खुलेगा। एक तो कालपी रोड, दूसरा जीटी रोड पर गुमटी की ओर, तीसरा जीटी रोड पर ही अफीमकोठी की ओर और चौथा संगीत टॉकीज रोड पर खुलेगा। इनकी लंबाई 400–400 मीटर की होगी। सेतु निगम के अनुसार सबकुछ ठीक रहा तो शासन से अनुमति मिलते ही इसी साल निर्माण शुरू हो सकता है। जीटी रोड किनारे आईआईटी से अनवरगंज तक एलिवेटेड ट्रैक बनाने का 1300 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया गया

बनी कानपुर– कासगंज रेलवे लाइन से रोज 40 से 45 ट्रेनों का आवागमन होता है। एक ट्रेन रवाना करने के लिए जरीबचौकी क्रासिंग पांच मिनट बंद करनी पड़ती है। इस प्रकार रोज अलग–अलग समय पर 3:20 घंटे से 3:45 घंटे तक यह क्रासिंग बंद रहती है। इसी वजह से था।

अब गुरुग्राम की एजेंसी को डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी सौंपी

रेलवे बोर्ड से सैद्धांतिक सहमति पिछले साल ही मिल चुकी है। हालांकि जरीबचौकी क्रासिंग पर अंडरपास या ओवरब्रिज निर्माण को लेकर पेच फंसा था। पांच माह पहले शहर आए मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने निरीक्षण कर अंडरपास के प्रस्ताव को सहमति दे दी थी। अंडरपास निर्माण के लिए दिल्ली की एक एजेंसी को डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी सौंपी, पर चेतावनी के बावजूद कंपनी ने डीपीआर तैयार नहीं की। इसके चलते यह जिम्मेदारी गुरुग्राम की एक एजेंसी को दी गई है। जुलाई के पहले सप्ताह तक डीपीआर मांगी गई है। जरीबचौकी अंडरपास का डीपीआर बना रही दिल्ली की एजेंसी लापरवाही कर रही थी। इसलिए अब यह काम गुरुग्राम की एजेंसी से कराया जा रहा है। उसने करीब 80 फीसदी कार्य कर लिया है। हफ्ते–10 दिन में डीपीआर मिल जाएगी। इसे तत्काल शासन को भेला जाएगा। सब कुछ सही समय पर हुआ तो इसी साल निर्माण शुरू हो जाएगा।

आपसी रंजिश के चलते हस्तिनापुर में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, भारी पुलिस बल तैनात

मेरठ, सवांददाता। हस्तिनापुर के क्षेत्र के गांव रठौरा खुर्द में एक व्यक्ति की दिनदहाड़े गांव के ही लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की खबर से गांव में सनसनी फैल गई और कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर बुलाई गई। थाना क्षेत्र के गांव रठौरा खुर्द में अनुसूचित जाति और वाल्मीकि समाज के लोगों के बीच में पिछले एक महीने से विवाद चल रहा था। ग्रामीणों के अनुसार मामला सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर दोनों पक्षों में आपसी रंजिश चल रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि एक महीना पूर्व दोनों ही पक्षों में बच्चों को लेकर भी विवाद हुआ था। दोनों पक्ष आपस में विवाद रखते थे। शुक्रवार को अनुसूचित जाति का 45 वर्षीय सोहनवीर पुत्र ओमप्रकाश अपने घर से किसी काम से गांव में जा रहा था। वह गांव में ही फर्नीचर का काम करता था। शुक्रवार की दोपहर को जब वह गांव के मुख्य मार्ग पर पहुंचा तो तभी वाल्मीकि समाज के कुछ युवकों ने उसे पर अवैध तमंचे से फायर झोंक दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली की आवाज सुनते ही गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी और घायल सोनवीर को सीएचसी लेकर पहुंचे।

जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, सोनवीर की मौत की खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया ग्रामीणों ने बताया कि सोनवीर के चार बच्चों में दो बेटे दो बेटी हैं और सभी अविवाहित हैं। दिनदहाड़े सोनवीर की हत्या से गांव में सनसनी फैल गई।

उद्यमियों ने उठाई सीलिंग और छापे रोकने की मांग

आगरा, सवांददाता। आगरा में आवास विकास परिषद की सीलिंग और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के छापों को रोकने की मांग उद्योग बंधु और वाणिज्य बंधु की बैठक में उठाई गई। डीएम भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में व्यापारियों ने सड़क, बिजली, पानी, स्ट्रीट लाइटों की समस्याएं भी रखीं। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में पंकज अग्रवाल ने बेलनगंज लोहे के पुल पर लाइटिंग की व्यवस्था न होने की शिकायत की थी। बताया गया कि रेलवे से अनापत्ति प्राप्त हो चुकी है। 7 जुलाई को टेंडर खुलेगा। 20 जुलाई तक काम पूरा हो जाएगा। नामनेर में जाम लगने पर बताया गया कि बिजली विभाग का पोल सड़क पर लगा है, जिससे बड़े वाहन नहीं मुड़ पाते। डीएम ने एडीएम सिटी, स्मार्ट सिटी और विद्युत विभाग के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण के लिए कहा। संजय प्लेस में जनकपुरी के अधूरे काम पर नगर निगम ने कहा कि एस्टीमेट तैयार है। बजट प्राप्त होते ही काम कराया जाएगा। बैठक में अपर नगर आयुक्त एसपी यादव ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 20 क्विंटल पॉलिथीन और प्लास्टिक जब्त की गई है। व्यापारी इसे न मंगवाए और न बेचें। सख्त कार्रवाई करनी होगी। डीएम ने नाले में चमड़े की कतरन व कूड़ा डालने पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। बैठक में अपर नगर आयुक्त विनोद गुप्ता, डिप्टी कमिश्नर राज्य कर प्रदीप कुमार सिंह, डीएफओ आदर्श कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विश्वनाथ शर्मा, सहायक आयुक्त उद्योग सोनाली जिंदल, आगरा व्यापार मंडल अध्यक्ष टीएन अग्रवाल, संयुक्त व्यापार मण्डल अध्यक्ष (पश्चिम) पंकज अग्रवाल, बलवीर शरण गोयल, संजय अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

कार्डियोलॉजी में बनेगी 160 बेड की कार्डियक इमरजेंसी, प्रबंधन को 10 करोड़ की पहली किस्त मिली

कानपुर, सवांददाता। कानपुर में एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में हृदय रोगियों के लिए और सुविधाएं बढ़ेंगी। इंस्टीट्यूट में 160 बेड की नई कार्डियक इमरजेंसी बनेगी। इससे इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ जाएगी। अभी इमरजेंसी और सीसीयू मिलाकर सिर्फ 30 बेड हैं। शासन ने कार्डियक इमरजेंसी के लिए 10 करोड़ की पहली किस्त जारी कर दी है। इसके साथ ही दो सौ बेड के नए कार्डियोलॉजी ब्लॉक हॉस्पिटल को भी मंजूरी मिल गई और इसे कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। कार्डियक इमरजेंसी और कार्डियोलॉजी ब्लॉक मिलाकर 360 बेड बढ़ जाएंगे। इस वक्त कार्डियोलॉजी में कुल दो सौ बेड हैं। कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि कार्डियक इमरजेंसी, कार्डियोलॉजी ब्लॉक के बढ़ने पर कुल बेड की संख्या 560 हो जाएगी। इसके साथ ही इंस्टीट्यूट में इमरजेंसी सेवाएं उच्चीकृत हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि कार्डियक इमरजेंसी का नाम डेयर केयर इमरजेंसी वार्ड रखा गया है। पहली 10 करोड़ रुपये की किस्त मिल गई है। अब जल्दी ही इसका कार्य शुरू हो जाएगा। कार्डियक इमरजेंसी वार्ड तीन तल का होगा। इसमें एक आईसीयू भी होगा। इसके साथ ही दो कैथ लैब और ऑपरेशन थिएटर होगा। इमरजेंसी में आने वाले रोगी को सारा इलाज यहीं मिल जाएगा। रोगी को कहीं और शिफ्ट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रोफेसर वर्मा ने बताया कि कार्य की शुरुआत जल्द हो जाएगी, लेकिन पूरा भवन बनकर तैयार होने में दो–ढाई साल का समय लग सकता है।

नए कार्डियोलॉजी ब्लॉक हॉस्पिटल की पांच मंजिल होंगी

कैथ लैब में स्टेंट डालने और दूसरे उपचार हो सकेंगे। प्रोफेसर वर्मा ने बताया कि दो सौ बेड के न्यू कार्डियोलॉजी ब्लॉक को भी मंजूरी मिल गई।

इसे महानिदेशालय चिकित्सा शिक्षा की कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। नए कार्डियोलॉजी ब्लॉक हॉस्पिटल की पांच मंजिल होंगी। दो मंजिलों में प्राइवेट वार्ड होंगे। इसकी एक मंजिल पर सर्जिकल आईसीयू होगा। इसके अलावा दो मंजिलों में जनरल वार्ड होंगे।

हाईब्रिड लैब का नया प्रस्ताव, कैथ लैब की संख्या अब तीन

कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट प्रबंधन ने हाईब्रिड लैब के लिए नए सिरे से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा है। नए प्रस्ताव में कैथ लैब की संख्या बढ़ाकर तीन कर दी गई है। पुराने प्रस्ताव में एक कैथ लैब थी। निदेशक प्रोफेसर राकेश वर्मा ने बताया कि हाईब्रिड लैब से इलाज की सुविधाएं और बढ़ जाएंगी। इस लैब के बन जाने से हृदय प्रत्यारोपण की योजना को गति मिलेगी। हृदय प्रत्यारोपण के लिए हाईब्रिड लैब जरूरी होती है।

कलक्ट्रेट में लोगों ने किया हंगामा, नारेबाजी

शामली, सवांददाता। शामली, थानाभवन, आल्दी समेत विभिन्न गांवों के लोगों ने बृहस्पतिवार को मनीष हत्याकांड और अन्य मामलों में सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए कलक्ट्रेट में धरना दिया। साथ ही एसडीएम सदर पर सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। चेतावनी दी कि उनकी सुनवाई नहीं हुई तो वे इस्लाम धर्म अपनाने को मजबूर होंगे। बाद में डीएम के आश्वासन पर दो घंटे बाद धरना समाप्त किया गया। सुबह 11:30 बजे भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिलाध्यक्ष अनुज भारती के नेतृत्व में शामली, थानाभवन, कैराना, आल्दी के अनुसूचित जाति के लोग एकत्रित होकर कलक्ट्रेट पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। लोगों ने एसडीएम पर जमीन के मामले में कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते हुए खूब हंगामा किया। डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि 24 जून को एक पीड़ित को लेकर भीम आर्मी के पदाधिकारी एसडीएम सदर के कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि जहां पर एसडीएम ने बात सुनने से इनकार कर दिया और पीड़ित को न्याय देने से भी इनकार कर दिया। पीड़ित पिछले काफी समय से अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटकर थक चुका है। आरोप है कि एसडीएम लोगों को अपनी बात नहीं रखने देते, अभद्र व्यवहार किया जाता है। कहा कि जिले के अनुसूचित जाति के लोगों के साथ कई घटनाएं हुईं। पीड़ित अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। कहा कि थानाभवन में मनीष हत्याकांड का पुलिस आज तक खुलासा नहीं कर पाई। हत्यारों के खिलाफ साक्ष्य भी पुलिस के पास हैं। मगर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा। इसी तरह आल्दी गांव में होली पर्व के दौरान डीजे पर डांस करने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया था। जिसमें दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आई थी। आरोप है कि अनुसूचित जाति के लोगों को अधिक चोटें आईं थी मगर पुलिस ने इस मामले में सिर्फ एकतरफा कार्रवाई की। आरोप है कि दखौड़ी जमालपुर में एसडीएम और कुछ लोगों द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। महिलाओं के साथ अभद्रता की गई जातिसूचक शब्द कहे गए। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। डीएम के आश्वासन पर दोपहर 1रू30 बजे धरना समाप्त किया गया। जिलाध्यक्ष अनुज भारती, जय कुमार, रवि कुमार, धर्मेंद्र, अनिकेत कुमार, स चिन कुमार , अभिषेक, मोनू कुमार रविराज, वीरेंद्र सिंह, रेशमा पायल, मंगलोरी, रजनी आदि।

करेंगे इस्लाम धर्म ग्रहण

हंगामा करने वाली महिलाओं और अन्य लोगों का कहना था कि बार–बार गुहार लगाने के बाद भी उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है। जिसके कारण वह जल्द ही इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे।

प्रदर्शन करने वाले लोग, दलितों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं, अत्याचार हो रहा, बच्चों को इंसाफ दो आदि स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे थे।

एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने का मामला, अस्पताल प्रबंधक और स्टाफ पर मुकदमा

कानपुर, सवांददाता। कानपुर में रामादेवी स्थित सूर्या अस्पताल में छह माह की बच्ची को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाए जाने के मामले में पुलिस ने अस्पताल प्रबंधक और नर्सिंग स्टाफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बच्ची की मां ने इसकी शिकायत सीएमओ कार्यालय में भी की है। चकेरी के सफीपुर निवासी साक्षी तिवारी बुधवार को छह माह की बच्ची दर्शिता को रूटीन इंजेक्शन लगवाने के लिए सूर्या अस्पताल ले गईं थीं। नर्सिंग स्टाफ जीतू पाल ने बच्ची को छह माह पुराना इंजेक्शन लगा दिया था, जिससे बच्ची की हालत खराब हो

गई थी। मामला संज्ञान में आने के बाद परिजनों ने हंगामा किया था। थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी कर्मचारी जीतू पाल और अस्पताल प्रबंधक डॉ. सविता साहू व अन्य नर्सिंग स्टाफ पर लापरवाही, धमकी देने आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मामला खत्म करने के लिए लालच देने का आरोप

साक्षी ने बताया कि एफआईआर दर्ज न कराने के लिए अस्पताल प्रबंधन के कुछ लोगों ने घर पहुंचकर रुपये का लालच दिया था। मना करने पर उन्हें धमकी दी। पीड़िता ने इसकी शिकायत सीएमओ कार्यालय में भी की है।

संक्षिप्त खबरें

नर्सों ने सीएमएस पर लगाया मानसिक उत्पीड़न का आरोप

कानपुर, सवांददाता। कानपुर में कांशीराम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पर अस्पताल की नर्सों ने मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए अपर निदेशक को पत्र भेजा है। नर्सों का कहना है कि सीएमएस के बोलने का तरीका अच्छा नहीं है। बात–बात पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। अपर निदेशक डॉ. संजू अग्रवाल ने बताया कि हो सकता है शिकायत आई होगी लेकिन कुछ आवश्यक कार्य के चलते मुझे कार्यालय से बाहर जाना पड़ गया। पत्र पढ़कर ही आगे कुछ कर सकते हैं। वहीं, कांशीराम अस्पताल के सीएमएस डॉ. स्वदेश गुप्ता ने कहा कि नर्सों की कई दिनों से शिकायत मिल रही थी। बताया जा रहा था कि नर्सों का मरीजों के साथ व्यवहार ठीक नहीं है। मरीजों से पैसे मांगने की भी शिकायत आई, जिसके बाद एक मामले में एक नर्स को ओटी इंचार्ज पद से हटा दिया। उनके लगाए आरोप निराधार हैं। पूरे मामले की जांच होनी चाहिए, जिससे सब कुछ साफ हो जाएगा।

22 हजार नहीं दिए तो डाक्टर ने मरीज को भगाया

बांदा, सवांददाता। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर पर मरीज से 22 हजार रुपये मांगने का आरोप लगा है। इतना ही नहीं न देने पर मरीज को भगा दिया। प्राचार्य ने ामामले की जानकारी से इन्कार किया है। हमीरपुर के मौदहा निवासी 50 वर्षीय पीर मोहम्मद का मारपीट में हाथ टूट गया था। वह मेडिकल कॉलेज इलाज कराने पहुंचा। डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए कहा और 22 हजार रुपये का खर्च बताया। पीर मोहम्मद और पत्नी मुनुवा ने गरीबी का हवाला दिया और कहा कि उनके पास फूटी कौड़ी नहीं है, वह 22 हजार रुपये कहां से दे पाएंगे। इस पर डॉक्टर पीर मोहम्मद और उनकी पत्नी को डपटकर भगा दिया। दंपती भटकते–भटकते जिला अस्पताल पहुंचा। यहां इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर डॉक्टरों ने उपचार किया, लेकिन ऑपरेशन की नौबत अब तक नहीं आई है। यदि मरीज के पास आयुष्मान कार्ड है तो उसका निशुल्क उपचार किया जाता है। हड्डी से संबंधित मामलों में रॉड आदि की जरूरत है तो उसका खर्च डॉक्टर ने बताया होगा। मेरी जानकारी में ऐसा यह मामला नहीं है। मरीजों को मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जाता है, उन्हें भगाया नहीं जाता।

खुले में जमीन पर रखा ट्रांसफार्मर, करंट से भैंस मरी

बांदा, सवांददाता। क्षेत्र के नांदादेव गांव में राजकीय नलकूप में जमीन पर रखे ट्रांसफार्मर में कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। गुरुवार को शाम करंट की चपेट में आकर भैंस मर गई। वहां चरवाहे बच्चों की जान बाल–बाल बच गई। नांदादेव गांव में रामबहादुर सुबह अपनी भैंस चराने शंकरपुरवा और नांदादेव के बीच खेत पर गया था। रास्ते में राजकीय नलकूप में बिजली विभाग ने जमीन पर खुले में ट्रांसफार्मर लगा रखा है। भैंस चरते–चरते ट्रांसफार्मर के पास पहुंच गई और करंट से उसकी मौत हो गई। भैंस चरा रहे अन्य चरवाहे बच्चे बाल–बाल बच गए। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ट्रांसफार्मर की कटीले तार से सुरक्षा की जाए। इसके पूर्व भी इसमें कई घटनाएं हो चुकी हैं

रेडियोलोजिस्ट छुट्टी पर, अल्ट्रा साउंड के लिए भटक रहे मरीज

शामली, सवांददाता। जिला अस्पताल में दस दिन तक अल्ट्रासाउंड नहीं होंगे। इसकी वजह यह है कि रेडियोलोजिस्ट डॉ. केके आहुजा दस दिन के अवकाश पर गए हुए हैं। जिला अस्पताल में नियुक्त दूसरे रेडियोलोजिस्ट डॉ. आशीष अग्रवाल गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने अनिवार्य स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया हुआ है। जिले के अन्य किसी सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं है। जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को बिना अल्ट्रासाउंड कराए ही लौटना पड़ रहा है। जिला अस्पताल को छोड़कर अन्य किसी भी सरकारी अस्पताल में मरीजों के लिए अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिला अस्पताल में एक मशीन पर अल्ट्रासाउंड कराने वाले मरीजों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन एक दिन में 30 से 35 अल्ट्रासाउंड ही हो पाते हैं। बाकी मरीजों को डेढ़ से दो महीने बाद की तारीख दी जाती है। जिला अस्पताल में एक ही मशीन पर मरीजों के अल्ट्रासाउंड होते हैं। जिला अस्पताल में वैसे तो दो रेडियोलोजिस्ट डॉ. केके आहुजा व डॉ. आशीष अग्रवाल नियुक्त हैं। डॉ. आशीष अग्रवाल गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के कारण अस्पताल में नहीं आ पाते। डॉ. केके आहुजा दस दिन के अवकाश पर चले गए हैं, जिस कारण मरीजों के अल्ट्रासाउंड नहीं हो रहे हैं। अल्ट्रासाउंड न होने से मरीज अस्पताल में भटक रहे हैं। मरीजों को बिना अल्ट्रासाउंड के ही लौटना पड़ रहा है। अल्ट्रासाउंड न होने के कारण मरीजों को मजबूरी में प्राइवेट में जांच करानी पड़ रही है।

सांसद चंद्रशेखर पर हुए हमले के मामले हुई गवाही

सहारनपुर, सवांददाता। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना लोकसभा से सांसद चंद्रशेखर पर हुए हमले के मामले में तीसरे गवाह के बयान दर्ज किए। अब चंद्रशेखर की गवाही होगी, जो मामले में अहम साबित होगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।